


---

# Sanskrita Eka Daivi Upahara

——  
संस्कृत ऐक दैवी उपहार

——  
Document Information



---

Text title : Sanskrita Eka Daivi Upahara

File name : sanskRRitaekadaivIupahAra.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 19, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Sanskrita Eka Daivi Upahara

---

### संस्कृत ऐक दैवी उपहार

---



दैवभाषा, विश्ववाणी का सुभग शृङ्गार है यद्य,  
शारदा की मञ्जुवीणा का मधुर भंकार है यद्य ।  
द्वेषकर जिसको विदेशी भी चमत्कृत-चित्त होते,  
थारु-चित्रण-यातुरी का चित्रमय संसार है यद्य ।  
ऐक दिन भी देश का जिसके विना ज्वन असम्भव,  
वद्य हमारे धर्म-संस्कृति का परम आधार है यद्य ।  
है नहीं जिसकी विपुलता की कहीं कोष्ठ ध्यत्ता,  
रत्न-राशि-मरीचि-माला पुञ्ज पारावार है यद्य ।  
तम, पीडित, मूर्च्छनामय, शोकलत मानव वृद्धय का,  
स्निग्ध, शीतल, शान्तिमय विश्राम का आगार है यद्य ।  
या, अधिक कलना निरर्थक, ऐक ही यद्य बात सख्यी,  
मानवों को देवताओं से मिला उपहार है यद्य ।

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

---

---

Sanskrita Eka Daivi Upahara

pdf was typeset on May 19, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

